अच्छा हॉस्टल कैसे चुने

प्रिय अभ्यार्थी
प्रणाम।

मैं सीनीयर एडवोकेट श्रीमती मधु गुप्ता ग्वालियर के सबसे पुराने और सबसे बड़े प्राइवेट गर्ल्स हॉस्टल में आपका स्वागत करती हूँ। यदि आपको लम्बे समय तक ग्वालियर में रहना है तो एक शांत साफ सुथरा और सुरक्षित आवास आपकी प्राथमिकता होना ही चाहिये, आप पहली बार में ही सोच समझ कर ऐसी जगह चुनें जो बार–बार बदलना ना पड़े। मैं अपने पन्द्रह वर्षो के अनुभव से मैं आपको विनम्रतापूर्वक सलाह देना चाहूँगी कि यह चुनाव कैसे करें ?

(1) लोकेशन :– सबसे पहले यह देखें कि छात्रावास का भवन शहर के बीचो–बीच है या दूर कही किसी कोने में, वहाँ से बाजार, अस्पताल, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का स्टॉप, प्रार्थना–स्थल, खाने–पीने की जगहें कितनी दूर पर है ? एल.एस.आर. (लेडी श्रीराम गर्ल्स हॉस्टल) इस प्रथम शर्त पर सबसे ज्यादा खरा उतरता है। यहाँ से हर रोजमर्रा की सुविधा बस दो कदम की दूरी पर मौजूद है।

(2) संचालिका :– यह देखना अत्यंत आवश्यक है कि छात्रावास भवनस्वामिनी द्वारा स्वंय संचालित है या भवनस्वामी ने किसी को ठेके पर या किराये पर दे रखा है ? भवनस्वामिनी का आवास कहाँ है ? उनका परिवार छात्रावास से कितनी दूरी पर रहता हैं ? क्योकि जो किराये पर लेगा वो रखरखाव पर पैसे खर्च नही करेगा। एल.एस.आर. पिछले पन्द्रह साल से भवनस्वामिनी द्वारा स्वंय ही संचालित किया जाता रहा है। भवनस्वामिनी स्वंय ही एक्टिव वार्डन की भूमिका में है।

(3) अनुभव :– छात्रावास कितने समय से चल रहा है ? यह देखना भी आवश्यक है क्योकि अनुभव के अभाव में गलती से कई संचालक गलत प्रकार की लड़कियों को बिना जाँचे परखे कमरा दे देते है। जो कि पढ़ने

वाली अच्छे परिवार की लड़कियों के लिये जी का जंजाल बन जाता है। एल.एस.आर. में कमरा देने से पूर्व अभ्यार्थी का बैकग्राउन्ड बहुत अच्छी तरह से जाँचा जाता है।

(4) <u>सुरक्षा</u> :– छात्रावास की आन्तरिक और बाहरी सुरक्षा व्यवस्था कैसी है ? यह सुनिश्चित करने के लिये आपको जाँच करनी चाहिये कि पूरा स्टाफ महिलाओं का हो, गेट पर चौबीस घंटे महिला गार्ड तैनात हो, मुख्य गेट पर रात्रि के समय बंदूकधारी अधेड़ उम्र का पुरूष गार्ड भी हो।

मुख्य गेट पर ऑटोमेटिक कम्प्यूटराइज्ड फिंगर प्रिन्ट पहचानने वाले ताले लगे हो ताकि अनअधिकृत व्यक्ति गलती से भी प्रवेश ना कर सके, मुख्य गेट पर और मुख्य गेट तक पर्याप्त रोशनी चौबीस घंटे हो गेट पर और सडक पर और छत एवं सार्वजनिक स्थानो, आइल इत्यादि जगहो पर चौबीस घंटे बढ़िया क्वालिटी के सी.सी.टी.वी. कैमरो से निगरानी व रिकोर्डिंग होती हो, आग बुझाने के यंत्र कोने–कोने मे लगे हो, हर कमरा आपस में और गेट/रिसेप्शन/वार्डन का ऑफिस/घर इन्टरकॉम द्वारा कनेक्टेड हों ताकि एक बटन दबाते ही सहायता मिल सके।

रात को उपस्थिति दर्ज करने का नियम हो, बेवक्त स्टेशन एवं बस स्टैण्ड तक लाने व ले जाने के लिये जिम्मेदार व्यवस्था हो, डॉक्टर/अस्पताल नजदीक हो छात्रावास में फर्स्ट एड किट और दवाईयाँ हो। छात्रावास के अन्दर ही महिला डॉक्टर निवास करती हो, रात में भी महिला स्टाफ एंव महिला वार्डन उपस्थित हो इत्यादि–इत्यादि। मैं आपको यह बताना चाहती हूँ कि उपरोक्त सभी कुछ सिर्फ और सिर्फ एल.एस.आर. में हमेशा से उपलब्ध है।

(5) <u>च्वाइस</u> :– इसके बाद आपको भी देखना चाहिये कि छात्रावास में हर प्रकार और हर श्रेणी के कमरे हैं या नहीं मसलन सिंगल सीटर/डबलसीटर/ट्रिपल सीटर और डॉरमेट्री साथ ही एयर कन्डीशन्ड मय रेफ्रिजरेटर और एयर कूल्ड रूम उपलब्ध हैं कि नहीं, ताकि आप अपने बजट एंव सुविधा के अनुसार कमरा बाद मे भी अदल–बदल कर सके।

अन्य छात्रावासो मे आपको लोहे के सस्ते पलंग , प्लास्टिक की कुर्सियाँ, टेन्ट हाउस टाइप के पतले गददे मिलेंगे जबकि एल.एस.आर. में लकडी के स्पेशल बॉक्स बेड और ब्रान्डेड कम्पनी के चार इन्च मोटे महंगे हाई डेन्सिटी फोम के मॉर्डन गद्दे मिलेंगे। इसी प्रकार अधिकतर कमरों में बेहतरीन लकड़ी का फर्नीचर, टेबल, अलमारी, सभी कूलर और ए.सी. ब्रान्डेड एंव नये मिलेंगे। हर दरवाजे पर साफ–सुथरे पर्दे मिलेंगे।

(6) **अटैच बाथरूम** :– इसके बाद सबसे जरूरी चीज है बाथरूम, वह आपका अपना और निजी होना ही चाहियें एवं उसकी रोजाना साफ सफाई और मेन्टेनेंस होना चाहिये। शावर हमेशा वर्किंग कण्डीशन का होना चाहिये। कई छात्रावास इंडियन और वेस्टर्न दोनो प्रकार की टॉयलेट सीट, जेट सहित नही लगाते हैं। यह बहुत असुविधाजनक हो सकता है। एल.एस.आर. मे इन्डियन कम वेस्टर्न पॉट लगाये गये है।

आपके कपड़े अन्य लोगों के कपड़ो के संग नहीं धोये जाना चाहिये। बल्कि आपके अपने निजी बाथरूम में आपके अपने निजी तरीके से (ईजी/सर्फ/निरमा या डिटर्जेंट अथवा टिकिया से) महिलाकर्मी द्वारा धोये जाना चाहिये या यदि आप स्वंय धोना चाहे तो वह सुविधा भी मिलना चाहिये। यह पक्का करना चाहिये कि आपका बाथरूम कोई और इस्तेमाल ना कर सके ताकि आपके मंहगे सौन्दर्य प्रसाधन सिर्फ आपके उपयोग में आये। एल.एस.आर. में पचपन कमरे हैं और **हर कमरे के साथ उसका निजी बाथरूम अटैच है**। हर मंजिल पर स्टाफ के लिये बिलकुल अलग बाथरूम हरेक के लिये अलग–अलग कपडे सुखाने की छायादार जगहें हैं। बाथरूम मे दरवाजे की हाइट तक टाइल्स लगी है ताकि साफ–सफाई बनी रहे।

(7) **भोजन** :– अब देखना चाहिये कि सुरूची पूर्ण, स्वादिष्ट, हाइजिनिक और सम्पूर्ण पोषण देने वाला सस्ता और नियमित भोजन छात्रावास मे उपलब्ध है कि नही। यह सबसे बड़ी समस्या है, **भारत में शायद कोई हॉस्टलर भोजन से सन्तुष्ट नहीं है**। एल. एस. आर. ने भी कई बार खाने पीने की व्यवस्था स्वंय करने की कोशिश की परन्तु अनुभव यही मिला कि कम से कम पाँच अलग–अलग श्रेणियो का भोजन अलग–अलग

प्रकार की किचन में पकाया जाये और हॉस्टलर को पूरी स्वतंत्रता हो कि जिस भी किचन का भोजन पसंद आये वहां से भोजन ग्रहण करें, अंतः हमने यही किया कि पाँच बिलकुल अलग अलग कैटरर चुने जो कि दो हजार से लेकर चार हजार तक का विभिन्न श्रेणियों का मासिक भोजन टिफिन द्वारा प्रदाय करते है। परन्तु समस्या यह थी कि टिफिन में भोजन ठंडा हो जाता था इसलिये हमने प्रत्येक छात्रा का भोजन गर्म करने के लिये और चाय–कॉफी–स्नेक्स स्वंय बनाने के लिये पर्सनल किचन बना दिये है और इस प्रकार हरेक को अपना मनपसंद भोजन मिलता है। हरेक पर्सनल किचन मे फ्री अनलिमिटेड गैस/चूल्हा और इंडक्शन प्लेट दी जाती है। इतना सब करने के बाद अब हम गारंटी के साथ कह सकते है कि एल. एस. आर. में भोजन की सबसे अच्छी व्यवस्था और च्वाइस है।

(8) <u>बुनियादी सुविधायें</u> :– आवास और भोजन चुनने के बाद अब आती है तीन बुनियादी सुविधाओं की बारी जो है पानी, बिजली इन्टरनेट। इसे एक–एक करके देखना पड़ेगा :–

(i) पानी – अधिकतर छात्रावासों में बोरिंग से पानी लिया जाता है जो कि हल्का सा खारा होता है। उससे साबुन मे झाग नही बनता और कूलर इत्यादि जगह–जगह पर सफेद पाउडर जैसा जम जाता है। कोई कुछ भी कहे परन्तु बिना सही साफ्निंग ट्रीटमेंट के यह जल सिर्फ बागवानी लायक होता है, इन्सानो के पीने योग्य नही। यह पानी साधारण एक्वागार्ड इत्यादि से साफ नही होता है और आर.ओ. ट्रीटमेंट से पानी के भीतर के सभी जरूरी खनिज खत्म हो जाते है, मिनरल वाटर कम्पनीयाँ एंव पानी में दुबारा से कैल्शियम इत्यादि जरूरी सोलह तत्व मिलाती है परन्तु ग्वालियर का कोई छात्रावास शायद मिनरल वाटर की तरह जरूरी तत्व दुबारा से नही मिलाता होगा।

यह पानी कभी कभार तो पीया जा सकता है, परन्तु रोजाना नही, आप स्वंय रोज आर.ओ. पानी सेवन के नुकसान गूगल पर पढ़ सकते है। एल.एस.आर. में जो पी.एच.ई. से पानी आता है उसकी गुणवत्ता की जाँच बडी बडी लैबोरेट्री मे कराई जा चुकी है और यह पानी मिनरल

वाटर के समतुल्य पाया गया है। अर्थात मिनरल वाटर के सख्त मानको पर खरा उतरता है। हमारा अहोभाग्य है कि यह सरकार द्वारा शुद्व किया गया निर्मल जल एल. एस. आर. में प्रचुर मात्रा में चौबीस घंटे सर्वकार्य हेतु सुलभ है। इसके बावजूद एल. एस. आर. मे तीन–तीन एक्वागार्ड और तीन तीन बडे वाटरकूलर्स लगे है, जो कि अति शुद्व ठंडा पेयजल उपलब्ध करवाते है।

(ii) बिजली – ग्वालियर शहर मे बहुत गर्मी पड़ती है और दिन में कई बार थोड़ी–थोड़ी देर के लिये बिजली भी गुल होती रहती है, हम समझते है कि दस मिनट बिजली बंद होने का मतलब है पढने वाली सौ छात्राओं के दस दस मिनट यानि कुल एक हजार मिनट के समय की बर्बादी इसलिये एल.एस.आर. में कभी भी बिजली एक पल के लिये भी नही जाती क्योकि हर कमरे मे इन्वर्टर से एक–एक लाइट दी हुई है, बैटरी चाहे खराब हो या ना हो, तीन साल बाद बदल दी जाती है।

बिजली जाने के दो मिनट के अन्दर–अन्दर डीजल जनरेटर अपने आप चल जाता है। अन्य हॉस्टलों में आपको चेक करना होगा कि इन्वर्टर तो होंगें पर शायद बैटरियाँ नही बदली गई होगी या जेनरेटर तो होगा परन्तु दो मिनट में नही चलाया जाता होगा या खराब पड़ा होगा। एल. एस.आर. का हर बल्ब और हर टयूबलाइट हमेशा–हमेशा चालू रहता है।

(iii) इन्टरनेट – आजकल हर बच्चे को चौबीस घंटे, तीन सौ पैसठ दिन निर्बाध और हाइस्पीड इन्टर नेट कोने कोने में यहाँ तक कि बाथरूम के भीतर भी चाहिये। अन्य हॉस्टल में घरेलू वाई फाई मॉडम को ही वाई फाई कट कर प्रचारित कर दिया जाता है परन्तु एल. एस. आर. ने लगभग तीन लाख रूप्या खर्च करके पूरी बिल्डिंग के हर कोने में स्ट्रांग सिग्नल वाला कमर्शियल वाई–फाई नेटवर्क बनाया है जिससे हरेक मोबाइल फोन को दो मेगा बाइट प्रति सेकेण्ड तक की स्पीड दी जा सकती है।

इसके अलावा एल.एस.आर. मे प्रतिदिन शाम से सुबह तक बारह घंटे **आप अपने कमरे के लैण्ड लाइन फोन से फ्री मे अनलिमिटेड कॉल कर सकते है।**

(9) मनोरंजन :– इन सबके बाद आती है मनोरंजन की सुविधायें, इसके लिये एल.एस.आर. में हमने दो बड़े–बड़े हॉल को मनोरंजन कक्षो में बदल दिया है। इनमें आपको मिलेगा साठ इन्च के बड़े–बड़े एल.ई.डी. टी.वी./गेमिंग कन्सोल और होम थियेटर इनके अलावा कई इन्डोर खेल और पार्टी करने के लिये बड़ी सी खुली छत और हॉल। और हाँ प्रति शनिवार–रविवार या आपके बुलावे पर बेहद कम दाम पर महिला ब्यूटिशियन एंव मसाजर आपके कमरे मे बुलवाई जा सकती है। जल्द ही हम एक इन्डोर जिम भी बना रहे है।

(10) सर्विस :– आखिरी परन्तु शायद सबसे जरूरी शर्त है कि **"बढ़िया सर्विस"** आपकी शिकायत चाहे कितनी भी छोटी सी क्यों ना हो मसलन कमरे में कभी चूहा छिपकली या कॉकरोच दिखे या पंखे मे से हल्की सी आवाज आ रही हो या कोई चटकनी/लॉक खराब हो गया हो, बल्ब/ट्यूबलाइट बदलना हो या एक कपडे टांगने की खूँटी लगवाना हो..... कहने के बाद कितनी जल्दी और गुणवत्ता के साथ काम होगा इसे नापा–तौला या देखा नही जा सकता सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

एल.एस.आर. में कोई भी शिकायत सुझाव एक रजिस्टर में लिखना होता है, बस! चौबीस घंटे के अन्दर बडी से बडी शिकायत का निवारण हो जाता है। एल.एस.आर. के संचालक गण को रियल स्टेट और इंटीरियर डेकोरेशन के कारोबार से जुडे होने के कारण हमारे पास प्लम्बर, कारपेंटर, एल्यूमिनियम और आयरन फेब्रीकेशन इलेक्ट्रिशियन इत्यादि हमेशा उपलब्ध रहते है। रोजाना की साफ सफाई और छोटे मोटे कामो के लिये पाँच महिला कर्मचारी (बाईयाँ) बहुत पुराने समय से एल.एस. आर. मे नियमित रूप से कार्यरत है।

अन्त में, मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूँगी कि :–

एल.एस.आर. घर जैसा तो नहीं,
परन्तु घर से कम भी नहीं।।

भवदीय

श्रीमती मधु गुप्ता
वार्डन एंव संचालिका